डॉ चंद्रशेखर, निदेशक, सीरी,
प्रो एल के माहेश्वरी फाउण्डेशन पुरस्कार से सम्मानित

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी (राजस्थान) के निदेशक **डॉ चंद्रशेखर** को इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए 14 अप्रैल 2010 को **प्रो. एल के माहेश्वरी फाउण्डेशन द्वारा** प्रस्थापित **"डिस्टिंग्विश्ड बिट्स अलमनस"** पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (बिट्स), पिलानी के सभागार में आयोजित इस अभिनंदन समारोह की **अध्क्षता प्रो.एल के माहेश्वरी**, कुलपति, बिट्स, पिलानी ने की। इस अवसर पर **विशिष्ट अतिथि** के रूप में फ्रीस्केल सेमीकंडक्टर्स में एल एंड एम इंडिया के आर एंड डी विभाग के अध्यक्ष **श्री मनोज दधीच** भी उपस्थित थे।

डॉ चंद्रशेखर को प्रो एल के माहेश्वरी फाउण्डेशन पुरस्कार भेंट करते हुए प्रो माहेश्वरी

समारोह का शुभारंभ **दीप प्रज्ज्वलन** से हुआ। इसके बाद बिट्स के छात्रों द्वारा **सरस्वती वंदना** प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर फाउण्डेशन के ट्रस्टी **प्रो. जी रघुराम,उपनिदेशक, बिट्स** ने डॉ चंद्रशेखर द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा सभागार में उपस्थित वरिष्ठ संकाय सदस्यों, शोध विद्यार्थियों व गणमान्य अतिथियों के समक्ष अभिनंदन पत्र पढ़ा। इसके उपरांत प्रो माहेश्वरी ने डॉ चंद्रशेखर को फाउण्डेशन अवार्ड व स्मृति चिह्न भेंट किए तथा शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया।

इससे पूर्व फाउण्डेशन सचिव **प्रो वी के चौबे** ने बताया कि फाउण्डेशन का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देना तथा प्रतिभाशाली छात्रों को नवीन शोध के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना, वैज्ञानिक कार्यशालाएँ व सम्मेलन आयोजित करना एवं मेधावी प्रतिभाओं को छात्रवृत्तियाँ प्रदान कर उनकी सहायता करना है।

बिरला सभागार में उपस्थित गणमान्य अतिथि

इसके उपरांत फाउण्डेशन के संस्थापक **प्रो माहेश्वरी** ने अपने संबोधन में बिट्स के शैक्षिक व शैक्षणिक अनुभव को सुखद एवं लाभदायक बताया। उन्होंने अपने उद्बोधन में फाउण्डेशन से जुड़े सभी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विशिष्ट अतिथि **श्री मनोज दधीच** ने अपने संबोधन में अपने संगठन द्वारा शोध व विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला और शोध विद्यार्थियों व इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र के विशेषज्ञों से प्रो. एल के माहेश्वरी फाउण्डेशन से जुड़ने की अपील की।

इस अवसर पर **डॉ चंद्रशेखर** ने फाउण्डेशन के **प्रथम विशिष्ट व्याख्यान** में सूचना संसाधन, संचार, मेम्स व माइक्रोसेन्सर्स, डिस्प्ले एवं इमेजिंग आदि क्षेत्रों में हुए प्रौद्योगिकीय विकास व समाज पर उनके प्रभावों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में होने वाले शोध कार्यों से कम्प्यूटिंग पावर, रोबोटिक्स, सौर ऊर्जा आदि प्रमुख विषय होंगे।

समारोह के अंत में **प्रो सुरेखा भानोत** ने धन्यवाद ज्ञापित किया।